पुण्ना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class –III
HINDI
Specimen Copy
Sem.2

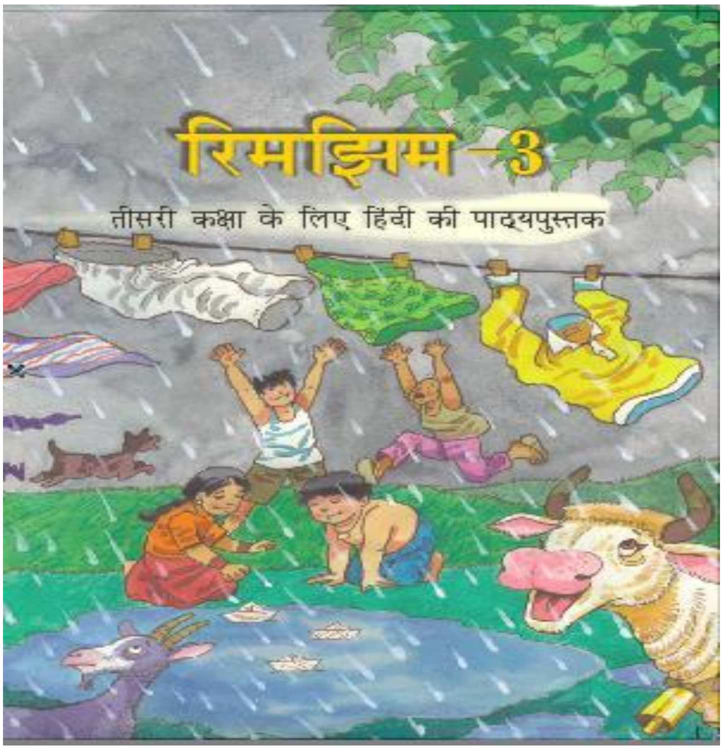

अनुक्रमणिका

क्रम	महीना	पाठ का नाम	लेखक का नाम
अध्याय ८	अक्टुबर	➢ पाठः८ बंदर-बाँट ➢ व्याकरणःविशेषण ➢ लेखन विभागःनिबंध ➢ गतिविधिया	
अध्याय ९	अक्टुबर	➢ पाठः ९ कब आऊँ ➢ व्याकरणःक्रिया ➢ लेखन विभागःअनौपचारिक पत्र ➢ गतिविधिया	
अध्याय १०	नवम्बर	➢ कविता :१० क्योजीमल और कैसे- कैसलिया ➢ व्याकरणःअनेक शब्दो के लिए एक शब्द ➢ लेखन विभागःकहानी लेखन ➢ गतिविधिया	सुभद्रा कुमारा चौहान
अध्याय ११	नवम्बर	➢ पाठ११ःमीरा बहन और बाघ ➢ व्याकरणःविलोम शब्द ➢ लेखन विभागःसंवाद लेखन ➢ गतिविधिया	
अध्याय १२	दिसम्बर	➢ पाठः१२ जब मुझे साँप नेकाँटा ➢ व्याकरणःपर्यायवाची शब्द ➢ लेखन विभागःअनुच्छेद ➢ गतिविधिया	
अध्याय १३	दिसम्बर	➢ पाठः१३ मिर्च का मजा ➢ व्याकरणः वाक्य शुद्धि ➢ लेखन विभागःचित्र लेखन, अनुच्छेद ➢ गतिविधिया	
अध्याय १४	जनवरी	➢ पाठः१४ सबसे अच्छा पेड़ ➢ व्याकरणःक्रिया विशेषण ➢ लेखन विभागःअनुच्छेद, चित्र लेखन ➢ गतिविधिया	प्रतिमा शर्मा

पाठः८
बंदर-बाँट
लेखक-हरिवंशराय बच्चन

पाठ का सारः बंदर बाँट कहानी का सारांश बन्दर बाँट नाटक में हरिवंश राय बच्चन जी ने दो बिल्लियों की आपस में लडाई व बंदर की रोटी खा जाने का वर्णन किया गया है। ... रोटी मेज पर रखी रहती है ,लेकिन सफ़ेद बिल्ली रोटी लेने से डरती है। इसीलिए काली बिल्ली लपककर रोटी ले लेती है। कहानी का शीर्षक बंदर बाँट रखा गया है क्योंकि बंदर दोनों बिल्लियों में रोटी बराबर बाँटने वाले की भूमिका निभाता है। बंदर अपनी चतुराई से रोटी भी खा जाता है और दोनों का भला भी बन जाता है। इस तरह कहानी का मुख्य पात्र वह बन जाता है।

दोनों बिल्लियों के झगड़े की जड़ रोटी का टुकड़ा था। दोनों उस पर अपना हक जता रहीं थीं। बंदर ने तराजू निकाला और समान बँटवारा करते हुए सारी रोटी स्वयं खा ली।अगले दिन दोनों बिल्लियों को एक तरबूज़ मिला। दोनों सोचने लगीं, इस तरबूज़ को कैसे बाँटा जाए कि तभी फिर से बंदर आ गया। आगे क्या हुआ होगा?

अगले दिन तरबूज़ लेकर बिल्लियाँ जा रही थीं तभी बंदर आ गया। वह बोला- "लाओ बँटवारा कर दूँ।" अब की बार बिल्लियाँ बंदर के झाँसे में नहीं आईं। वे तुरंत बोलीं- "तुम्हारा न्याय हम देख चुके हैं। तुम जा सकते हो हम अपने आप ही बाँटकर खा लेगीं।" यह कहकर वे चली गईं। बंदर अपना-सा मुँह लेकर रह गया।

कठिन शब्द लिखिए

- मेजपोश
- बंदर
- बिल्ली
- रोटी
- आँखे
- आवाज
- फैसला
- हक
- धरम-काँटा
- तराजू
- हड़प

शब्दार्थ लिखिए

- मेजपोशःमेज पर बिछाने का कपड़ा
- लपकनाःपकड़ना
- कचहरी-न्यायालय
- प्रवेश-आना
- गवाह-साक्षी
- पलड़ा-तराजू का एक भाग
- फैसला-हुक्म
- आँख-नेत्र, नयन
- महक-खूशब
- राह-रास्ता
- भारी-वजनदार
- पछताना-अफसोस

वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१ःदोनो बिल्लीयाँ कैसी चीजे ढूँढ रही थी?

उत्तरः(क)खेलने की (ख)खाने की

(ग)बैठने की (घ)इनमे से कोई नही

२ःबिल्लियो के झगडे का फैसला करने के लिए बंदर ने उन्हे कहाँ बुलाया?

उत्तरः(क)कचहरी मे (ख)घर मे

(ग)सडक पर (घ)पेड़ पर

३ःसारी रोटी कौन खा गया?

उत्तरः(क)काली बिल्ली (ख)सफेद बिल्ली

(ग)बंदर (घ)चूहा

४ःतराज़ू लेकर कौन भाग गया?

उत्तरः(क)बंदर (ख)काली बिल्ली

(ग)सफेद बिल्ली (घ)इनमे से कोई नही

५ःदोनो बिल्लियो को आप क्या कहेगे?

उत्तरः(क)चतुर (ख)मूर्ख

(ग)सीधी-सादी (घ)समझदार

निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।

१ःरोटी पर पहले किसकी नजर पडी?

उत्तरःरोटी पर पहले सफेद बिल्ली की नजर पडी।

२ःकाली बिल्ली ने किसे डरपोक साबित किया?

उत्तरःकाली बिल्ली ने सफेद बिल्ली को डरपोक साबित किया।

३ःसफेद बिल्ली ने रोटी पर अपना हक किस प्रकार जताया?

उत्तरःसफेद बिल्ली ने कहा रोटी पहले मैने देखी इसलिए यह मेरी है।

४ःकाली बिल्ली ने रोटी पर अपना हक किस प्रकार जताया?

उत्तरः काली बिल्ली ने रोटी पर अपना हक जताते हुए कहा कि यह पहले मैने ली है इसलिए यह मेरी है।

५ःरोटी के लिए कौन-कौन लड़ रहा था? उन्हे लडने से किसने रोका?

उत्तरः रोटी के लिए काली बिल्ली और सफेद बिल्ली लड रही थी। उन्हे लडने से बंदर ने रोका।

निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१:बिल्लियो की बाते सुनकर बंदर ने क्या फैसला किया?

उत्तर: बिल्लियो की बाते सुनकर बंदर ने उन्हे कचहरी मे बुलाने का फैसला किया।

२:बंदर ने तराज़ू का प्रयोग कर बिल्लियो को किस प्रकार मूर्ख बनाया?

उत्तर: बंदर ने तराज़ू का प्रयोग कर बिल्लियो की सारी रोटी खा गया और दोनो बिल्लियाँ मुँह देखती रह गई।

३:आपस मे झगडने से बिल्लियो को क्या हानी हुई

उत्तर: आपस मे झगडने से बिल्लियो के हाथ मे आयी रोटी बंदर ले गया।

४: बंदर-बाँट नाटक से क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर: बंदर-बाँट नाटक से शिक्षा मिलती है कि आपस का झगड़ा समझौते से सुलझाना चाहिए, कभी तीसरे को बीच मे नही लाना चाहिए।

निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।

१:दोनो बिल्लियाँ कैसे मूर्ख बनी?

उत्तर:दोनो बिल्लियाँ रोटी के लिए झगड रही थी।तभी बंदर वहा आ गया और दोनो बिल्लियो का झगडा सुलझाने के बहाने सारी रोटी खा गया और तभी दोनो बिल्लियाँ मूर्ख बनी।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१:तराज़ू मेज पर रखा था।	(गलत)
२:सफेद बिल्ली को रोटीकी महक पहले आई।	(सही)
३:रोटी मेज पर रखी थी।	(सही)
४:बंदर ने ठीक फैसला किया।	(गलत)
५:दोनो बिल्लियाँ बंदर पर झपट पडी।	(गलत)
६: बंदर बची-खुची रोटी भी खा गया।	(सही)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१:दोनो बिल्लियाँ **रोटी** के लिए आपस मे झगड रही थी।

२:बंदर ने कहा मै तुम्हारा **फैसला** करूँगा।

३:बंदर ने दोनो बिल्लियाँ से **रोटी** छीन ली।

४:बंदर ने रोटी के **टुकडे** कर दिए।

५:बंदर ने कहा मै झगड की जड़ ही काट देता हूँ।

व्याकरण विभागः विशेषण

विशेषणः जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते है, उन्हे विशेषण कहते है।

विशेषण शब्द जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते है, वे विशेष्य कहलाते है।

उदाहरणः

- नीता अच्छी लेखिका है।

  अच्छी ↓ विशेषण, लेखिका ↓ विशेष्य

- प्रतिदिन ताजे फलों का सेवन करो।

  ताजे ↓ विशेषण, फलों ↓ विशेष्य

विशेषण के मुख्य चार भेद होते है।

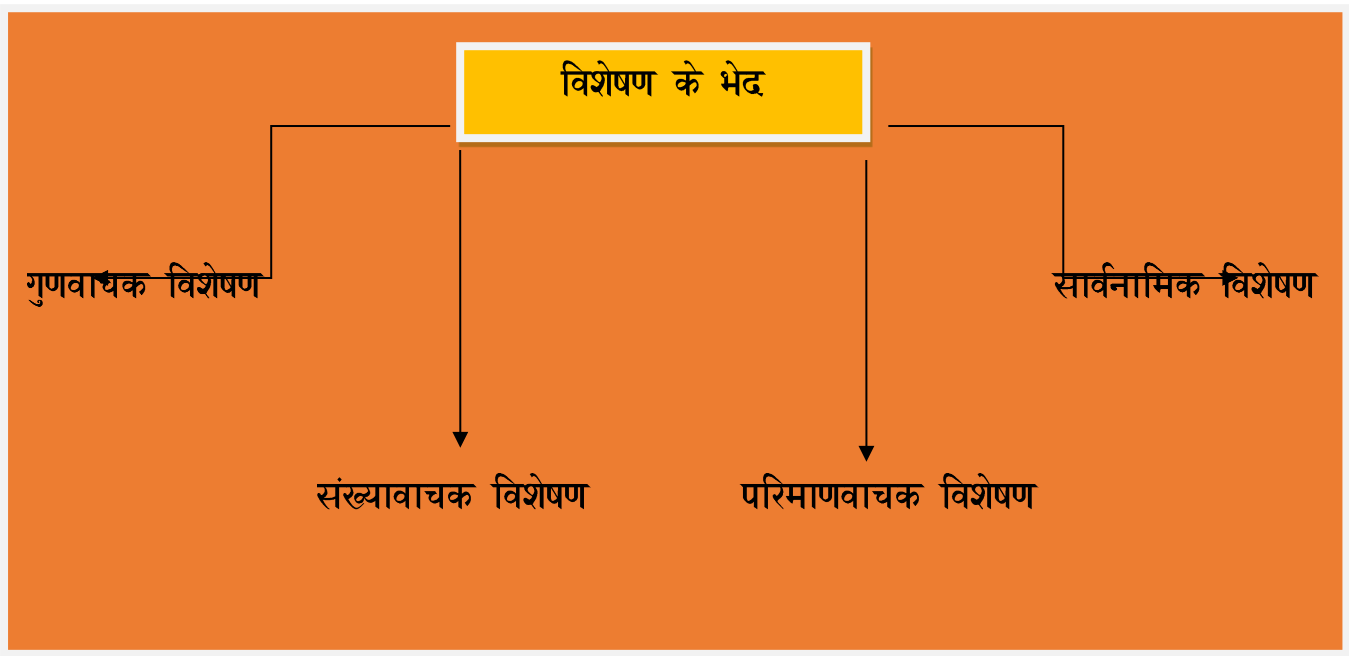

गुणवाचक विशेषण : वे विशेषण शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्द के गुण-दोष, रूप-, स्वाद, दशा, अवस्था स्थान आदि का बोध कराते है, वह गुणवाचक विशेषण कहलाते है।

उदाहरण :

- गीता अच्छी लडकी है।
- यह खेत चौकोर है।
- बाहरी कमरा छोटा है।
- भरत बलशाली बालक था।

संख्यावाचक विशेषण : वे विशेषण शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते है, वह संख्यावाचक विशेषण कहलाते है।

उदाहरण :

- तीन लडके खेल रहे है।
- मेले मे हजारो लोग आए थे।

परिमाणवाचक विशेषण : जिन विशेषण शब्दो से किसी वस्तु के माप-तौल संबंधी विशेषता का बोध होता है, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते है।

उदाहरण :

- वह प्रतिदिन एक लीटर दूध पीता है।
- अधिक परिश्रम करने से स्वास्थ्य बिगड़ जाता है।

सार्वनामिक विशेषण : जिन सर्वनाम शब्दो का प्रयोग संज्ञा के आगे उनके विशेषण के रूप मे होता है, उन्हे सार्वनामिक विशेषण कहते है।

उदाहरण :

- हमारा घर आंनद विहार मे है।
- यह घड़ी पुरानी है।
- यह खेत बहुत छोटा है।

लेखन विभागःअनुच्छेद : दीपावली

- दिपावली का त्यौहार भारत में और अन्य कई देशों में बहुत ही धूम धाम से मनाया जाता है।
- दीपावली को दीप का त्यौहार भी कहा जाता है।
- दिवाली का त्यौहार भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है।
- जिसे भारत में बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है।
- कहा जाता है कि इस दिन भगवान श्री राम ने रावण को पराजित करके और अपना 14 साल का वनवास काटकर अयोध्या लौटे थे।
- श्री राम भगवान की आने की खुशी वहां के सभी लोगों ने दिये जलाए थे।
- तब से लेकर अब तक हर वर्ष इस दिन को दीवाली के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है।

- लोग आज भी इस दिन को उतने की खुशी से मनाते हैं।
- ये त्यौहार बच्चा, बूढें, बड़े हर कोई बहुत ही अच्छे से मनाता है।
- यहां तक कि स्कूल, कॉलेज और दफ्तरों में भी दीवाली को त्यौहार को बहुत धूम धाम से मनाया जाता है।
- इन दिन लोग एक दूसरे को दीवाली की बधाई देते हैं और बहुत से उपहार भी तोहफे के रूप में देते हैं।
- दिवाली का त्यौहार हर साल अक्टूबर या नवम्बर माह में मनाया जाता है।
- दीवाली आने से कुछ दिन पहले ही लोग इस त्यौहार को मनाने की तैयारी में लग जाते हैं।
- दीवाली के दिन लोग अपनी दुकानें, अपना घर, स्कूल, दफ्तर आदि को दुल्हन की तरह सजाते हैं।
- सभी लोग नए कपड़े खरीदते हैं, इस दिन घर और दुकानों की भी अच्छे से सफाई की जाती है। दीवाली की रात पूरा भारत जगमगाता है।
- रंग बिरंगी लाइटें, दिए, मोमबत्ती आदि से पूरे भारत को सजाया जाता है।
- दीवाली की शाम भगवान लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है।
- पूजा करने के बाद सभी लोग अपने पड़ोसियों और अपने रिश्तेदारों को प्रसाद, मिठाई, गिफ्ट आदि देते हैं।
- इस दिन लोग पटाखे, बम, फुलजड़ी आदि भी जलाते हैं।
- दीवाली के त्यौहार को बुरे पर अच्छाई की जीत का प्रतीक भी माना जाता है।
- भारत की नहीं बल्कि और भी कई देशों में दीवाली का त्यौहार बहुत की धूम धाम से मनाया जाता है।

गतिविधियाँ-बंदर-बाँट का चित्र बनाए या चिपकाए।

पाठः ९
कब आऊँ
लेखक :आर एस त्रिपाठी

पाठ का सारः इस कहानी में लेखक ने अवंती नाम के एक रंगसाज का वर्णन किया है। उसका मुख्य काम कपड़े रंगने का था। उसके काम की प्रशंसा हर जगह होने लगी। यह सुनकर एक सेठ को बहुत जलन हुई।अवंति को परेशान करने के लिए वह सेठ कपडे का एक टुकडा लेकर अवंति की दुकान मे जा पहुँचा।दरवाजे के अंदर घुसते ही सेठ बुंलद आवाज मे बोला -अवंति जरा यह कपड़ा तो अच्छी तरह से रंग दो। मै देखना चाहता हूँ तुम्हारा हुनर कैसा है।तुम्हारी काफी तारीफ सुनी थी।इसलिए मै आया था।मुझे हरा, पीला,सफेद,लाल,नांरगी,नीला,आसमानी ,काला और बैंगनी रंग पसंद नही है। मै यह कपडा ले कब आऊँ तब अवंति ने कहा आप सोमवार,मंगलवार,बुधवार,बृहस्पतिवार ,शुक्रवार ,शनिवार और रविवार को छोडकर कभी भी आ जाना क्यो किअवंति उसके मसुबो को भाप गया था।

कठिन शब्द लिखिए

- अवंति
- रंगाई
- प्रशसा
- सेठजी
- मंसूबा
- अलमारी
- चाल
- भलाई
- तारीफ
- टुकड़ा
- ईर्ष्या
- परेशान

शब्दार्थ लिखिए

- रंगाई-रंग करना
- आसमानी-आसमान जैसा नीला
- भाँपना-समझ लेना
- खिसकना-हट जाना
- मंसूबा- इरादा
- तारीफ-प्रशंसा
- ईष्या-जलन
- अवश्य-जरुर
- कतई-बिल्कुल
- हुनर-काबलियत
- बुलंद-सशक्त
- जवाब-उत्तर

वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१:अवंति ने किसकी दुकान खोली?

उत्तरः **(क) रंगाई** (ख)बुनाई

(ग) धुलाई (घ)मिठाई

२:अवंति की प्रशंसा सुनकर किसे ईर्ष्या होने लगी?

उत्तरः (क)गाँववालो को **(ख)सेठ को**

(ग) अवंति की पत्नी को (घ)इनमे से कोई नही

३:सेठ ने कितने रंगो के नाम गिनाए थे,जो उसे पसंद न थे?

उत्तरः (क)पाँच (ख)छः

(ग)नौ (घ)दस

४:अवंति ने सेठ के दिए हुए कपड़े को कहाँ रखा था?

उत्तरः (क) अलमारी मे (ख)तिजोरी मे

(ग) घड़ेमे (घ)संदूक मे

निम्नलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।

१:क्या गावँवाले अवंति के काम से प्रसन्न थे?

उत्तरःहाँ, गावँवाले अवंति के काम से प्रसन्न थे।

२:सेठ किसके हुनर को परखना चाहता था?

उत्तरःसेठ अवंति के हुनर को परखना चाहता था।

३:सेठ ने दुकान पर पहुँचकर अवंति से क्या कहा?

उत्तरः सेठ ने दुकान पर पहुँचकर अवंति से कहा की मुझे कपड़ा रंगवाना है।

४:सेठ कपड़े को किस रंग मे रंगवाना चाहता था?

उत्तरः सेठ कपड़े को हरा, पीला,सफेद,लाल,नांरगी,नीला,आसमानी ,काला और बैंगनी को छोडकर रंगवाना चाहता था।

निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१:अवंति ने सेठ को दोबारा किस दिन आने को कहा?

उत्तरः अवंति ने सेठ को दोबारा सोमवार,मंगलवार,बुधवार,बृहस्पतिवार,शुक्रवार,शनिवार और रविवार को छोडकर आने को कहा।

२:अवंति के मुख से कपडे लौटाने की बात सुनकर सेठ को क्या समझ आ गया था?

उत्तरः अवंति के मुख से कपडे लौटाने की बात सुनकर सेठ समझ गया कि उसकी चाल उल्टी पड़ गई है।अतः भलाई धीरे से खिसक लेने मे ही है।

३:सेठ और अवंति मे से कौन बुद्रधिमान था?

उत्तरः सेठ और अवंति मे से अवंति बुद्रधिमान था।

४:कब आऊँ कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तरः कब आऊँ कहानी से हमें य्ह शिक्षा मिलती है कि हमे कभी किसो से ईर्ष्या नही करनी चाहिए।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१:अवंति की प्रशंसा सुनकर सेठ बहुत प्रसन्न हुआ। (गलत)

२:अवंति को परेशान करने के लिए सेठ उसकी दुकान पर गया था। (सही)

३:सेठ ने लाल रंग मे कपड़ा रंगने के लिए कहा था। (गलत)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१:अवंति गाँववासियो के लिए कपडा़ रंगता था।

२:धीरे-धीरे अवंति की दुकान चल पडी।

३:सेठ अवंति के घर के दरवाजे के अंदर घुसते ही बोलने लगा था।

४:अवंति ने सेठ का मंसूबा भाँप लिया था।

व्याकरण विभाग :क्रिया

जिन शब्दो से किसी कार्य के करने का या होने का पता चले,उन्हे क्रिया कहते है।

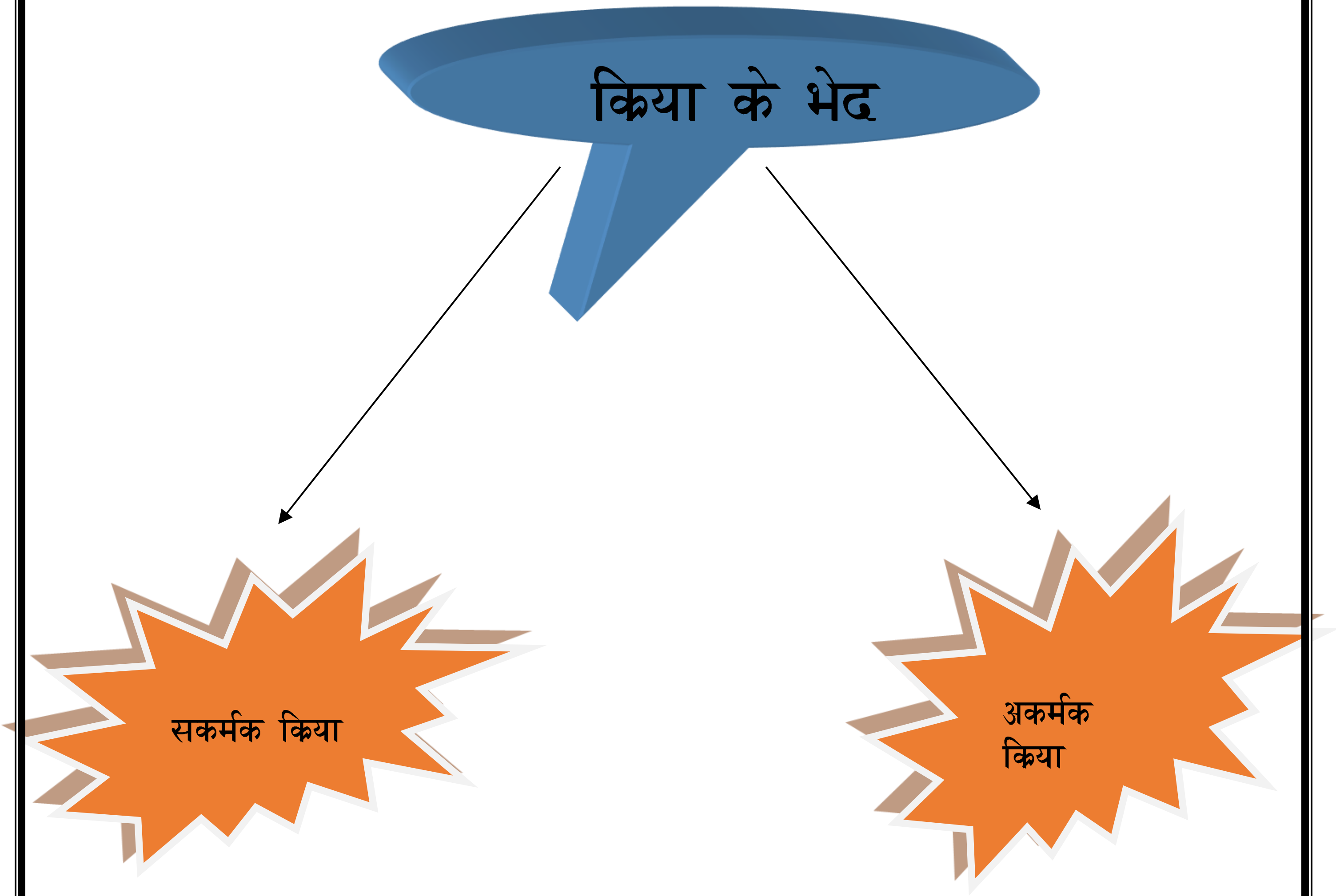

सकर्मक क्रिया : स +कर्म के साथ ।जिन क्रियाओँ के साथ कर्म लगा हो और किंया का फल कर्ता पर न पडकर कर्म पर पड़े, उन्हे सकर्मक क्रिया कहते है।
उदाहरण :

- अध्यापिका पाठ पढ़ाएगी।
- माली ने पौधौ को सीचा।
- राजा फल खाता है।
- राम पुस्तक पढ़ता है।
- गाय घास खाती है।

अकर्मक क्रिया : अ +कर्म अर्थात कर्म रहित अथवा कर्म के बिना । जिन क्रियाओ के साथ कर्म न लगा हो तथा क्रिया का फल कर्ता पर ही पडे, उन्हे अकर्मक क्रिया कहते है।

उदाहरण :

- आकाश मे पक्षी उड़ रहे है।
- विनय जोर से **चिल्ला** रहा है।
- गीता **दौडती** है।
- नदी **बहती** है।
- मोर **नाचता** है।

लेखन विभाग : अनौपचारिक पत्रः

मित्र को अपने जन्मदिन पर आमंत्रित करने हेतु पत्र।

७२, कंकड़बाग,
वीरप्रताप सोसायटी,
पटना।
२७, अप्रैल, २०२१
प्रिय राघव,
तुम्हे याद होगा कि ९ मई को मेरा जन्मदिन है।हर वर्ष की तरह इस बार भी मेरे माता-पिता जन्मदिन के अवसर पर पार्टी का अयोजन कर रहे है।मेरी हार्दिक इच्छा है कि तुम इस पार्टी मे शामिल होकर मुझे प्रसन्नता प्रदान करो।

इस बार केक काटने के साथ- साथ संध्या संगीत का भी आयोजन रखा गया है।पार्टी शाम को ६ बजे से शुरू होगी तो तुम्हे अपने परिवार के साथ आना है।मै तुम्हारा इतजार करूँगा।

अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना और छोटी बहन को प्यार देना।

तुम्हारा मित्र
रमेश

गतिविधियाँ-कब आऊँ का चित्र बनाए और चिपकाए।

पाठ:१0

क्योंजीमल और कैसे- कैसलिया

लेखक: सुबीर शुक्ला

पाठ का सारः

क्योंजीमल और केसे - केसलिया कहानी में लेखक सुबीर शुक्ला जी ने मजेदार ढंग से दो दोस्तों के माध्यम से आट सानकररोटी बनाने की विधि बताई है। दो दोस्त हैं - क्योंजीमल और केसलिया। क्योंजीमल हमेशा क्यों क्यों करते रहत हैं और केसलिया हमेशा केसे केसे करते रहते हैं। इनके सवालों से लोग परेशान होकर ,हमेशा इनसे दूर ही रहते हैं। कभी कभी इन दोस्तों की मुलाकात भी हो जाती है ,तो ये अपने सवालों से लोगों को परेशान करते रहते।

एक बार इन दोस्तों की मुलाकात गुरूजी से हो गयी ,जो सायकिल से गेहूं पिसाने जा रहे थे। उन्हें रास्ते में क्योंजीमल और केसलिया मिल गए और सवाल पर सवाल करने लगे। गुरु जी से पूछा कहाँ जा रहे हो। गुरु जी ने बताया कि आटा पिसाने। आपको सायकिल कहाँ से मिली ,तो उन्होंने बताया कि शिवदास ने अपनी गाडी दे दी। आप आटा पिसवाने क्यों जा रहे हो। रोटी बनाने के लिए। रोटी केसे बनेगी। आटे को सानेंगे ,बेलेंगे ,तवे पर पकाएंगे। आग पर फुलायेंगे। सानेंगे लेकिन क्यों। आटे में थोड़ा पानी रहता है। आग पर तपने से यही पानी भापबनकर बेली हुई रोटी को पकाता है ,इसीलिए इसे सानते हैं। केसे सानते हैं रोटी। परात पर आटा निकालेंगे ,छुटकी भर नामक डालेंगे ,फिर धीरे -धीरे एक हाथ से पानी डालते हुए सानना शुरू करेंगे। पहले -पहले सारा आटा बिखरेगा ,फिर उसे समेटेंगे और अच्छे से सान लेंगे। परात पर क्यों सानेंगे। गुरुजी ने कहा कि तुम लोगों की क्यों - केसे में मेरी चक्की बंद हो जायेगी। बंद हो जायेगी ,लेकिन केसे। जब तक क्योंजीमल और केसलिया को इसका जबाब जब तक मिलता ,तब तक गुरूजी अपनी सायकिल पर चढ़कर जा चुके थे।

कठिन शब्द लिखिए

- दोस्त
- मुलाकात
- मौका
- पैदल
- शिवदास
- आटा
- थैली
- चक्की
- परात
- साइकिल
- गाडी
- पिसवाना
- भाप

शब्दार्थ लिखिए

- जवाब : उत्तर
- मौका : अवसर
- मुलाकात : भेंट
- नमस्ते : प्रणाम
- पानी : जल
- हाथ : हस्त
- आग : अग्नि

वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१ःक्योजीमल और कैसे-कैसलिया कौन थे?

उत्तरः (क)दोस्त (ख)दुश्मन

(ग)पडोसी (घ)इनमे से कोई नही

२ःगुरुजी बाजार क्यो जा रहे थे?

उत्तरः(क) आटा पिसवाने (ख) गेहुँ पिसवाने

(ग) चावल पिसवाने (घ) दाल पिसवाने

३ःगुरुजी बाजार कैसे जा हे थे?

उत्तरः (क) साइकिल से (ख) स्कूटर से

(ग) पैदल (घ) मोटर साइकिल से

४ःबाजार कौन जा रहा था?

उत्तरः(क) क्योंजीमल (ख)कैसे-कैसलिया

(ग)दोनो दोस्त (घ)गुरूजी

निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।

१ःक्योजीमल को बात-बात पर क्या पूछने की आदत थी?

उत्तरः क्योजीमल को बात-बात पर क्यों-क्यों पूछने की आदत थी।

२ःकैसे- कैसे -कैसे पूछने के लिए कौन बेचेन रहता था?५

उत्तरः कैसे- कैसे -कैसे पूछने के लिए कैसे-कैसलिया बेचेन रहता था।

३ः क्योजीमल और कैसे-कैसलिया की भेंट किससे हुई थी?

उत्तरः क्योजीमल और कैसे-कैसलिया की भेंट गुरूजी से हुई थो।

४ःशिवदास ने गुरजी की किस प्रकार से मदद की?

उत्तरः शिवदास ने गुरुजी को अपनो गाडी देकर मदद की।

५ःरोटी बनाने के लिए क्या-क्या करना पडता है? पाठ के आधार पर लिखिए?

उत्तरःपरात मे आटा निकालेगे,फिर उसमे चुटकी भर नमक डालेगे,फिर धीरे-धीरे एक हाथ से पानी डालते हुए सानना शुरू करेग।पहले सारा आटा बिखरेगां,फिर उसे समेटेगे,और अच्छे से सान लेग।

निन्मलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१ःआटा कौन से बर्तन मे निकाला जाता है?

उत्तरःआटा परात मे निकाला जाता है।

२ःआटे मे किस प्रकार पानी डाला जाएगा?

उत्तरःआटे मे एक हाथ से धीरे धीरे पानी डाला जाएगा।

३ःगुरुजी बाजार क्यो जार हे थे?

उत्तरः ःगुरुजी बाजार गेहुँ पिसवाने जा हे थे।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१ःक्योजीमल ने गुरुजी को नमस्ते नही की थी।
(गलत)

२ःशिवदास ने गुरुजी की थैली देख ली थी।
(सही)

३ःगुरुजी घर से पैदल निकले थे।
(सही)

४ःसने हुए आटे मे थोडा भी पानी नही रहता।
(गलत)

५ःगुरुजी क्यो और कैसे के चक्कर म पडे रहते तो चक्की बंद हो जाती।
(सही)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१ःकैसे-कैसेलिया भी क्योजीमल से कोई **कम** न थे।

२ःवास्तव मे साइकिल **शिवदास** की थी।

३ःगेहुँ पिसवाने से **आटा** प्राप्त होता है।

४ःगेहुँ **चक्की** मे पीसा जाता है।

५ःरोटी **तवे** पर पकाई जाती है।

व्याकरण विभाग : अनेक शब्दो के लिए एक शब्द

अनेक शब्दों का	एक शब्द
अच्छे चरित्र वाला	सच्चरित्र
आज्ञा का पालन करने वाला	आज्ञाकारी
आकाश को चूमने वाला	गगनचुंबी
आकाश में उड़ने वाला	नभचर

आलोचना करने वाला	आलोचक
अपने देश से दुसरे देश में समान जाना	निर्यात
अपनी हत्या स्वयं करना	आत्महत्या
अत्यंत सुन्दर स्त्री	रूपसी
बच्चों के लिए काम की वस्तु	बालोपयोगी
बहुत तेज चलने वाला	द्रुतगामी
हित / भलाई चाहने वाला	हितैषी
भूत, वर्तमान, भविष्य को देखने वाला	त्रिकालदर्शी
बिलकुल बरबाद हो गया हो	ध्वस्त
बिना वेतन का	अवैतनिक
चिंता में डूबा हुआ	चिंतित
दया करने वाला	दयालु
दिल से होने वाला	हार्दिक
दूर की सोचने वाला	दूरदर्शी
दूसरों पर उपकार करने वाला	उपकारी
दुसरे देश से अपने देश में समान आना	आयात
दूसरों की बातों में दखल देना	हस्तक्षेप
गणित का ज्ञाता	गणितज्ञ
ज्ञान देने वाली	ज्ञानदा
हाथ में चक्र धारण करने वाला	चक्रपाणि
हाथ से लिखा हुआ	हस्तलिखित
हमेशा सत्य बोलने वाला	सत्यवादी
हिंसा करने वाला	हिंसक
ईश्वर में आस्था रखने वाला	आस्तिक
ईश्वर पर विश्वास न रखने वाला	नास्तिक

इतिहास का ज्ञाता	अतिहासज्ञ
जहाँ पहुँचा न जा सके	अगम्य
जानने की इच्छा रखने वाला	जिज्ञासु
जनता में प्रचलित सुनी -सुनाई बात	किंवदंती
जिस भूमि पर कुछ न उग सके	ऊसर
जिस पर उपकार किया गया हो	उपकृत
जिस पर विश्वास न किया जा सके	अविश्वनीय
जिस स्त्री के कभी संतान न हुई हो	वंध्या, बाँझ
जिसे दंड का भय न हो	उदंड
जिसे देखकर भय लगे	भयानक
जिसे गुप्त रखा जाए	गोपनीय
जिसे क्षमा न किया जा सके	अक्षम्य
जिसका आकार न हो	निराकार
जिसका आचरण अच्छा न हो	दुराचारी
जिसका जन्म न हो	अजन्मा
जिसका कोई आधार न हो	निराधार
जिसका कोई मूल्य न हो	अमूल्य
जिसका कोई शत्रु न हो	अजातशत्रु
जिसका पति जीवित हो	सधवा
जिसका पति मर गया हो	विधवा
जिसका वर्णन न किया जा सके	वर्णनातीत
जिसके आने की तिथि न हो	अतिथि

लेखन विभाग :कहानी लेखन:

बारहसिंगा का भरम

एक दिन एक बारहसिंगा तालाब में पानी पी रहा था कि उसकी दृष्टि अपनी परछाईं पर पड़ी । पानी में अपनी छाया देखकर वह सोचने लगा – वाह ! मेरे सींग कितने सुंदर हैं !

काश, मेरे पैर भी इतने सुंदर होते! तभी उसके कानों में शिकारी कुत्तों की आवाज टकराई। चौंककर वह फुरती दौड़ा। अपने पैर, जिन्हें वह बदसूरत समझता था उन्हींकी सहायता से वह कूदता हुआ दूर पहुँचकर एक झाड़ी में घुस गया ।

पर शिकारी कुत्ते बढ़ते ही आ रहे थे। किंतु वह उस झाड़ी से निकलकर आगे न भाग सका। उसके सुंदर सींग झाड़ी की टहनियों में बुरी तरह फँस गए थे। वह निकल भागने की जद्दोजहद में ही था कि तभी शिकारी कुत्ते करीब आ पहुँचे और उसे धर दबोचा।

झूठ का फल

न्यायालय में दो मित्र उपस्थित हुए। नाम था सुंदरलाल और गुंदरलाल। सुंदरलाल जज से बोला, “साहब, तीन साल पहले जब मैं अपना घर छोड़कर विदेश गया तो गुंदरलाल को अपना परम मित्र जानकर अपनी हीरे की एक अँगूठी अमानत के रूप में दे गया था। मैंने इससे कहा था कि वह तब तक उस हीरे की अंगूठी को सँभालकर रखे जब तक मैं न लौट आऊँ। पर अब यह कहता है कि इसे अँगूठी के विषय में कुछ नहीं पता।”

गुंदरलाल अपने दिल पर हाथ रखकर बोला, “सरकार! सुंदरलाल झूठ बोल रहा है। मैंने उसकी अंगूठी कभी नहीं ली। हाँ, जब यह यहाँ से गया था तब इसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।”

जज ने कहा, “सुंदरलाल, क्या तुम्हारी इस बात का कोई साक्षी है ? ” उसने कहा, “हुजूर! जब मैंने गुंदरलाल को अँगूठी दी उस समय दुर्भाग्य से वहाँ कोई उपस्थित नहीं था, सिवा एक देवदार के पेड़ के, जिसके नीचे हम खड़े थे । ”

गुंदरलाल ने यह सुनकर जवाब दिया, “मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि न मैं अँगूठी के विषय में जानता हूँ और न इस देवदार के वृक्ष के ही विषय में।”

जज ने सुंदरलाल से कहा, “तुम खेत में वापस जाओ और उस देवदार के पेड़ से एक टहनी लेकर वापस आओ। मैं उसे देखना चाहता हूँ।” सुंदरलाल चला गया। कुछ देर के बाद जज ने गुंदरलाल से कहा, “सुंदरलाल वापसी में इतनी देर कैसे लगा रहा। है ? तुम जरा खिड़की के पास खड़े होकर देखो तो सही कि वह देवदार की टहनी लिये रास्ते पर आता दिखाई दे रहा है या नहीं। “

गुंदरलाल ने कहा, “मालिक, अभी तो वह उस पेड़ तक भी नहीं पहुँचा होगा। वहाँ तक पहुँचने में उसे कम-से-कम एक घंटा लगेगा। ”

” जज ने जब गुंदरलाल का यह तर्क सुना तो सारा माजरा उनकी समझ में आ गया। वे बोले, “सुंदरलाल, जितना तुम पेड़ के विषय में जानते हो उतना ही अँगूठी के विषय में भी जानते हो ।”

गतिविधियाँ-क्योजीमल और कैसे- कैसलिया का चित्र बनाए।

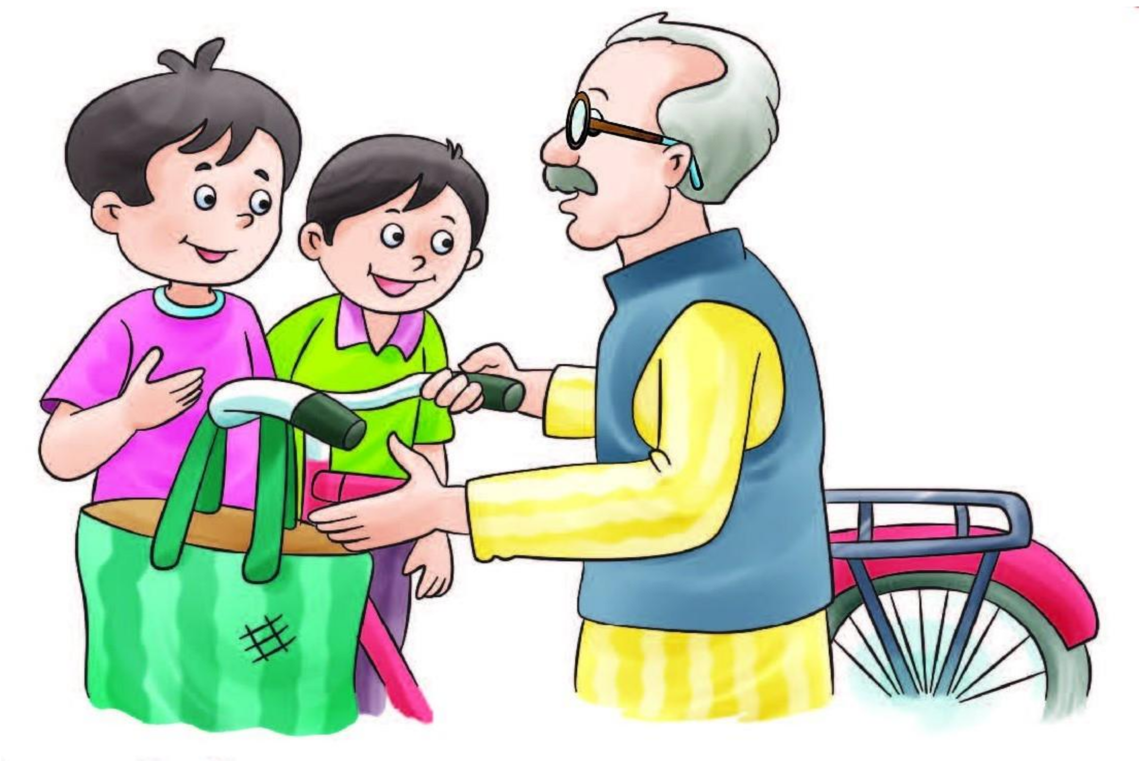

पाठ:११
मीराबहन और बाघ

पाठ का सार:

मीरा बहन और बाघ पाठ में मीरा बहन की अहिंसा के बारे में बताया गया है। मीरा बहन का जन्म इंग्लैंड में हुआ था। गाँधी जी के विचारों के कारण वे अपना परिवार को छोड़ छाड़ कर गाँधी जी के साथ काम करने लगी। आजादी के बाद वे उत्तर प्रदेश के एक पहाड़ी गाँव गेवली में गोपाल आश्रम की स्थापना करके रहने लगी। वे अपना सारा समय पालतू जानवरों की सेवा में बिताने लगी। गेवली गाँव के आसपास के जंगलो में बाघ का खतरा था। वह किसानों के पालतू जानवरों का भी शिकार करने लगा। उसने एक गाय को भी मार डाला।

मीरा बहन और बाघ

गाँव के लोग गोपाल आश्रम में गए और उन्होंने अपनी समस्या मीरा बहन को बताई। गाँव के लोगों ने तय किया कि बाघ को केद किया जाए। केद करने के लिए एक पिंजरा बनाया गया और उसके अन्दर एक बकरी रखी गयी। जैसे ही बाघ अन्दर घुसता ,वह दरवाजा बंद हो जाता। पिंजरे को ऐसी जगह रखा गया ,जहाँ बाघ अक्सर आता - जाता रहता है। रात बीतने के बाद लोग सुबह जब पहुंचे तो देखा कि पिंजरे का दरवाजा बंद है ,लेकिन अन्दर बाघ नहीं था। लोग बहुत हैरान हो गए थे कि बिना बाघ के अंदर आये बिना पिंजरा बंद कैसा हो गया। गाँव वाले मीरा बहन के पास गए और अपनी समस्या बताई तो बहन ने कहा कि मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैं सोचती रही कि बाघ को धोखा देकर हम बाघ को क्यों फसायें ,इसीलिए मैं स्वयं पिंजरे का दरवाजा बंद कर आई।

कठिन शब्द लिखिए:

- मीरा बहन
- भारत
- आश्रम
- शिकार
- बाघ
- सुबह
- पिंजड़ा
- दरवाजा
- बकरी
- चिंता

शब्दार्थ लिखिए

- काम : कार्य
- जानवर : पशु
- आश्रम : रहने की जगह
- आदमी : इंसान
- रात : निशा
- चक्ति : आश्चर्य
- खुश : प्रसन्न

वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१: मीरा बहन का जन्म कहाँ हुआ था?

उत्तरः (क) इग्लैड मे (ख) फ्राँस मे

(ग)अमेरिका मे (घ) भारत मे

२:मीरा बहन घर-बार छोडकर कहाँ आ गई थी?

उत्तरः (क) जर्मनी **(ख) भारत**

(ग) फ्रांस (घ) इंग्लैड

३:उत्तर प्रदेश के पहाडी गाँवो मे अक्सर किसका डर बना रहता है?

उत्तरः (क) चीते का (ख)शेर का

(ग) बाघ का (घ)हाथी का

४:गाँव के लोगो ने अपनी चिंता किसे बताई?

उत्तरः (क) सरपंच को **(ख)मीरा बहन को**

(ग) गाँधीजी को (घ) किसी को नही

निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।

१:मीरा बहन पर किसके विचारो का असर पडा?

उत्तरः मीरा बहन पर गाँधीजी के विचारो का असर पडा।

२:मीरा बहन ने अपने आश्रम की स्थापना कहाँ की थी?

उत्तरः मीरा बहन पर किसके विचारो का असर पडा ।

३:बाघ कभी-कभी गेंवली गाँव तक क्यौं चला जाता था?

उत्तरः बाघ कभी-कभी गेंवली गाँव तक पशूओ और आदमी का शिकार करने चला जाता था।

४: गेंवली गाँव मे एक बार क्या घटना घटी?

उत्तरः गेंवली गाँव मे एक बार घुसकर गाय को मार डाला।

५: गेंवली गाँव मे लोग किस आंशका से भतभीत थे?

उत्तरः गेंवली गाँव मे लोग बाघ के आने से भतभीत थे।

निन्मलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१:बाघ के आंतक से छुटकारा पाने के लिए क्या निश्चय किया गया?

उत्तरः बाघ के आंतक से छुटकारा पाने के सब ने मिलकर बाघ को पकडने की योजना बनाई।

२ःबाघ को पकडने के लिए कौन सी योजना बनाई गई?

उत्तरःबाघ को पकडने के लिए एक पिजडा बनाया गया और उसमे एक बकरी को रखा गया।

३ःपिजडे को कैसी जगह पर रखा गया था?

उत्तरः पिजडे को ऐसी जगह पर रखा जहाँ से बाघ अक्सर दिखाई देता है।

४ःदूर से पिजडे का दरवाजा बंद देखकर गाँववाले क्यो खुश हूए?

उत्तरः दूर से पिजडे का दरवाजा बंद देखकर गाँववाले खुश हुए कि बाघ पकड मे आ गया।

५ःपिजडे के पास पहुँचकर लोग चक्ति क्यो थे?

उत्तरः पिजडे के पास पहुँचकर लोग चक्ति थे क्यो कि पिजडे मे बाघ नही था।

६ःपिजडे का दरवाजा किसने और क्यो बंद किया था?

उत्तरः पिजडे का दरवाजा मीरा बहन ने बंद किया था।क्यो कि मीरा बहन नही चाहती थी कि बाघ को धोखे से फँसाया जाए।

निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।

१ःमीरा बहन पर किसके विचारो का प्रभाव पडा? और मीरा बहन ने क्या किया?

उत्तरःमीरा बहन पर गाँधीजी के विचारो का प्रभाव पडा कि वे अपना घर और अपने माता-पिता को छोडकर भारत आ गई और गाँधीजी के साथ काम करने लगी।

२ःपहाडी गाँवो मे अक्सर किसका डर बना रहता था?

उत्तरः ःपहाडी गाँवो मे अक्सर बाघ का डर बना रहता था।जंगल कटने के कारण शिकार की तलाश मे बाघ कभी-कभी गाँव तक पहुँच जाता है।इसलिए गाँव के सभी लोग डरते थे।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१ःगेंवली गाँव के आसपास के जंगलो मे बाघ जैसे खतरनाक जानवर रहते थे।
(सही)

२ःमीरा बहन के आश्रम का नाम गोपाल आश्रम था।
(सही)

३ःपिजडे मे दो दरवाजे बनाए गए थे।
(गलत)

४ः लोगो ने देखा बाघ पिंजडे मे बंद है।
(गलत)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१ःमीरा बहन गाँधीजी के साथ काम करने लगी।

२ःमीरा बहन का बहुत सारा समय पालतू पशुओ की देखभाल मे बीतता था।

३ःबााघ ने गेंवली गाँव मे घुसकर एक गाय को मार डाला।

४ःअपनी चिंता बताने के लिए गाँव के लोग गोपाल आश्रम गए।

५ःसुबह की रोशनी होते ही लोग पिंजडा देखने निकल पडे।

व्याकरण विभाग : विलोम शब्द

एक़-दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्द विलोम कहलाते है।

विस्तार में : जो शब्द किसी दूसरे शब्द का उल्टा अर्थ बताते हैं, उन्हें विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहते है।

जैसे- अपेक्षा- नगद

आय- व्यय

आजादी-गुलाम

नवीन- प्राचीन

शब्द एक दूसरे के उलटे अर्थ वाले शब्द है। अतः इन्हें 'विलोम शब्द' कहते ह।

- रात - दिन,
- सुख - दुख,
- अपना-पराया,
- राग-द्वेष,
- बन्धन-मुक्ति
- , धनी-निर्धन,
- खण्ड - अखण्ड,
- सज्जन- दुर्जन
- , रोना-हँसना,
- काला - सफेद/गोरा,
- आदि - अन्त,
- गोचर - अगोचर,
- जन्म-मृत्यु,
- भाई - बहन,
- माता-पिता,
- संतृप्त - असंतृप्त,
- संतोष – असंतोष
- , सहयोग - असहयोग,
- आचार - अनाचार,
- योगी-भोगी,
- स्वस्थ - रोगी,
- योग्य - अयोग्य,
- स्वीकारना - अस्वीकारना/नकारना
- वृद्ध - बाल/वृद्धा,
- बचपन - बुढापा,
- जीवित - अजीवित,
- शब्द - निशब्द,
- साकार - निराकार,
- साहस - दुःसाहस,
- राज - रानी,
- मान - अपमान,
- रूठना - मनाना,

- प्रेम - घृणा,
- लेना - देना,
- सोना - जागना,
- खोना - पाना,
- मरना - जीना,
- तेरा - मेरा,
- बेटा - बेटी,
- पति - पत्नी,
- छका - भूखा,
- मोटा - पतला,
- भारी - हल्का,
- भरा - खाली,
- ठण्डा - गरम,
- सम्भव - असम्भव,
- गीला - सूखा,
- खट्टा- मीठा/कड़ू/तीखा,
- सान्द्र - तनु,
- पुत्र - पुत्री,
- सुपुत्र - कुपुत्र,
- गीला - सूखा,
- सत्य - असत्य,
- सच - झूठ,
- आदि - अनादि
- लाभ - हानि,
- सफलता – असफलता
- , प्रसन्न- अप्रसन्न,

- शान्त - अशान्त,
- हम - तुम,
- आना - जाना,
- खोना - पाना,
- लड़का - लड़की,
- आद्र – निरादर
- , दोष - निर्दोष,
- दूर - पास,
- संलयन - विखण्डन,
- जोड़ना - तोड़ना/घटाना,
- सुगम - दुर्गम,
- वृद्धि - विनाश
- सुकर्म - कुकर्म/दुष्कर्म
- काल - अकाल
- अन्त - अनन्त
- अथ - इति
- लम्बा - नाटा/छोटा
- छोटा - लम्बा/बड़ा

लेखन विभाग : संवाद लेखन

टिकट बाबू और यात्री में संवाद

टिकट बाबू- आप अपना टिकट दिखाइए।

यात्री- यह रहा टिकट !

टिकट बाबू- यह टिकट तो शोलापुर तक का ही है। आप तो उससे एक स्टेशन आगे आ चुके हैं।

यात्री- एक स्टेशन आगे? तो क्या शोलापुर पीछे छूट गया?

टिकट बाबू- जी हाँ, शोलापुर तो पीछे छूट गया।

यात्री- यह तो बड़ी गड़बड़ हो गई अब क्या होगा?

टिकट बाबू- आप कर क्या रहे थे?

यात्री- जी! मेरी आँख लग गई थी।

टिकट बाबू- आपको पहले से सचेत रहना चाहिए। कहीं ऐसी भी गलती होती हैं?

यात्री- असल में मैं इस रास्ते में अनजान हूँ। मुझे पता नहीं था कि शोलापुर किस स्टेशन के बाद है।

टिकट बाबू- ठीक है। आप अगले स्टेशन पर उतर जाइए और आइन्दा इस बात का ध्यान रखिएगा। वरना आपको फाइन हो सकती है।

यात्री- भला मैं ऐसा क्यों करूँगा? इससे तो मुझे ही परेशानी होगी।

खिलौना खरीदने हेतु संवाद

राजू : अंकल, ये बड़ी वाली गेंद कितने की है।
दुकानदार : सौ रुपये की। राजू : इससे कम की नहीं है क्या?
दुकानदार : नहीं बेटा, सारी खत्म हो गई। बस यह एक नीले रंग की बंची है, जो साठ रुपये की है।
राजू : पर अंकल ! मुझे तो लाल रंग की चाहिए।
दुकानदार : लाल रंग की तो है, पर वह थोड़ी छोटी | है। मैं तुम्हें अभी दिखाता हूँ।
राजू : हाँ, ये ठीक है, ये कितने की है?
दुकानदार : पचास की।
राजू : ये लो, यह मुझे दे दीजिए।
दुकानदार : यह रही तुम्हारी गेंद।
राजू : धन्यवाद ।।

गतिविधियाँ-बाघ का चित्र बनाओ।

पाठ:१२
जब मुझको साँप ने काटा
लेखक: शंकर

पाठ का सार: कहानी का सार-यह कहानी लेखक स्वयं की है। लेखक कहते है कि जब वह छोटे थे तब अपनी नानी के गाँव में रहते थे ।वहां बहुत हरियाली थी और बहुत सारे नारियल के पेड़ थे । वही कभी कभी सांप के बचचा या केचुए निकल आता था । वह बच्चे को देखकर नारियल के खोल में घुस जाता । वह खोल को ऊपर से बंद कर देता और नानी को दिखाया करता था ,नानी बहुत चीखती चिल्लाती कि इन जीवों से खेला नही करो। नानाजी भी मुझे खबरदार करते कि सांप बहुत खतरनाक होते है ,इनके पास नही जाना। एह दिन मैं पेड़ के आसपास खेल रहा था कि मुझे एक बर्र ने काट लिया दर्द से मैं चिल्लाने लगा नानी से सोचा मुझे सांप ने काट लिया है । वह नानाजी को पुकारने लगी नानाजी मुझे गोद में उठा कर कही भागे जा रहे थे, मुझे समझ नही आ रहा था । नानाजी मुझे लेकर दूर एक झोपड़ी में गए ,वहां एक आदमी से बोले कि इस बच्चे को सांप ने काट लिया है आप झाड-फूंक कर दो ।

बूढे आदमी मेरी ऊंगली पकड़ कर देखने लगा । मै उसे बताना चाहता था कि मुझे सांप ने नही, बर्र ने काटा है। पर बुढे आदमी ने मुझे चुप बैठने को बोला। वह आदमी एक ग्लास में पानी लाया और मेरे सामने देख कर मन्त्र पढने लगा। मै बार बार बताने की कोशिश करता ,पर हर बार नाना जी जोर से पकड़ कर बैठा देते ।कुछ देर मंत्र पढने के बाद उस आदमी ने पानी से मेरी ऊंगली धोई और थोड़ा पानी मुझे पिला दिया। थोड़ी देर बाद आदमी बोला अब बच्चा खतरे से बाहर है अच्छा हुआ इसको मेरे पास ले आये। मेरे नाना नानी बहुत खुश हुए और बार बार उस बूढे आदमी का धन्यवाद किया और बहुत सी चीज-वस्तुएं भेंट के रूप में दी । मुझे उस आदमी के ढोंग पर बहुत गुस्सा आ रहा था। किस तरह ढोगी बाबा भोले और सीधे साधे लोगों को ठग लेते है।

कठिन शब्द लिखिए

- रेंगता
- नारियल
- पत्थर
- चीख-पुकार
- खबरदार
- खतरनाक
- कोशिश
- ऊंगली
- मंत्र
- झाड़-फूंक
- धन्यवाद

शब्दार्थ लिखिए

- रेंगना : जमीन पर सरकना
- खोल : खाली छीलका
- चीखना : पुकारना-जोर से रोना
- खतरनाक : भयानक ,डरावना
- कोशिश : प्रयास
- ढोंग : नाटक
- झाड : फूंक-बाबा लोग जो मंत्र पढ़कर सर पर फूंकना

वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१:बच्चे ने अपने अहातेमे क्या रेगते देखा?

उत्तर:**(क) छोटा सा साँप** (ख)चूहा

(ग) गिलहरी (घ)बिच्छू

२:नारियल के खोल के अंदर क्या देखा?

उत्तर: (क) मिठाई (ख)पानी

(ग) कुछ नही **(घ)साँप**

३:बच्चा नारियल का खोल लेकर किसके पास गया?

उत्तर: (क) नाना के (ख)दादी से

(ग)नानी के (घ)माँ के

४:बच्चे को किसके काट खाया था?

उत्तर: **(क)बर्र** (ख)साँप ने

(ग)बिच्छू ने (घ)कुत्ते ने

निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।

प्र-१-बच्चे को देखते ही सांप कहाँ छुप गया?

उ-१-बच्चे को देखते ही सांप नारियल के खोल में छुप गया।

प्र-२-नानी जोर-जोर से क्यों चीख-पुकार रही थी?

उ-२-नानी समझी, बच्चे को सांप ने काट लिया है इस लिए चीख-पुकार रही थी।

प्र-३-बच्चे को किसने काटा था?

उ-३-बच्चे को बर्र ने काटा था।

प्र-४-नाना बच्चे को लेकर कहाँ गए?

उ-४-नानाजी बच्चे को लेकर झांड=फूंक करने वाले बाबा के पास गए।

प्र-५-बूढे आदमी ने बच्चे को क्या पिलाया?

उ-५-बूढे आदमी ने मंत्र -फूंक वाला पानी पिला दिया ?

प्र-६-क्या सचमुच बूढे आदमी ने कोई इलाज किया था ?

उ-६-नही, बूढे आदमी ने इलाज करने का नाटक किया था।

निन्मलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

प्र-१-यह कहानी किसकी है?

उ-१-यह कहानी लेखक की है ।

प्र-२-बच्चे ने सांप को कहाँ देखा और उसने सांप को किस में डाल दिया ?

उ-२-बच्चे ने सांप को अपने घर के अहाते में देखा, जब सांप नारियल के खोल में घुस गया तो बच्चे ने खोल को ऊपर से बंद कर दिया ।

प्र-३-नानाजी ने बच्चे को खबरदार करते हुए क्या कहा?

उ-३-नानाजी ने बच्चे को खबरदार करते हुए कहा कि कभी भी सांप के पास नही जाना यह बहुत खतरनाक होते है।

प्र-४-नानाजी ने बूढे आदमी से क्या कहा ?

उ-४-नानाजी ने बूढे आदमी से कहा कि बच्चे को सांप ने काट लिया है आप कोई झाड-फूंक कर दो।

प्र-५-बचचा बार-बार बढे आदमी और अपने नाना को क्या बताना चाहता था? क्या वह बता पाया ?

उ-५-बच्चा बार-बार अपने नाना और बूढे आदमी को बताना चाहता था कि उसे सांप ने नही बल्कि एक बर् काटा है, परन्तु हर बार उसको चुप कर के बैठा दिया जाता ।

प्र-६-बूढे आदमी ने बच्चे का इलाज कैसे किया ?

उ-६-बूढे आदमी ने पानी में कोई मंत्र पढ़कर फूंके पानी से बच्चे की ऊँगली धोई और थोड़ा पानी बच्चे को पिला दिया।

प्र-७-बच्चे का इलाज करने के बाद बूढे आदमी ने नानाजी से क्या कहा?

उ-७-इलाज करने के बाद बूढे आदमी ने नानाजी से कहा कि इसको बहुत जहरीले सांप ने काटा था । अच्छा हुआ आप इस को मेरे पास ले आये।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१:बच्चे ने पत्थर से नारियल के खोल का मुँह बंद कर दिया। (सही)

२:बच्चे ने साँप पकडने की बात नानी को बताई। (सही)

३:नारियल के खोल मे से निकलकर नन्हा साँप घर के अंदर घुस गया। (गलत)

४:नाना ने बूढ़े आदमी को बहुत -सी चीज़े भेटं की। (सही)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१:साँप धीरे-धीरे रेंग रहा था।

२:नाना ने **नारियल** के खोल को दूर फेंक दिया।

३:नानाजी अपने घर से दूर एक छोटी-सी **झोपडी** के सामने जाकर रूके।

४:बूढ़ा आदमी साँप के काटने का **मंत्र** जानता था।

५:झाड-फूँक करने वाले ने कहा -अब बच्चा **खतर** से बाहर है।

६:सब लोगो ने बूढे को उसके अद्भुत **इलाज** के लिए धन्यवाद दिया।

व्याकरण विभाग : पयार्यवाची शब्द

जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें समानार्थक या पर्यायवाची शब्द कहते है।

पर्याय' का अर्थ है- 'समान' तथा 'वाची' का अर्थ है- 'बोले जाने वाले' अर्थात जिन शब्दों का अर्थ एक जैसा होता है, उन्हें 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

समान अर्थवाले शब्दों को 'पर्यायवाची शब्द' या समानार्थक भी कहते है।

जैसे- सूर्य, दिनकर, दिवाकर, रवि, भास्कर, भानु, दिनेश-

इन सभी शब्दों का अर्थ है 'सूरज' ।

इस प्रकार ये सभी शब्द 'सूरज' के पर्यायवाची शब्द कहलायेंगे।

क्रमांक	शब्द	पर्यायवाची शब्द
1	अग्नि	आग, ज्वाला, दहन, वैश्वानर, वायुसखा, अनल, पावक, वहनि
2	असुर	निशिचर, रजनीचर, दैत्य, तमचर, राक्षस, निशाचर, दानव, रात्रिचर।
3	अलंकार	आभूषण, भूषण, विभूषण, गहना, जेवर।
4	अहंकार	गर्व, अभिमान, घमंड, मान।
5	अंधकार	तम, तिमिर, तमिस्र, अँधेरा, तमस, अंधियारा।
6	अंग	अंश, अवयव, हिस्सा, भाग।
7	अनादर	अपमान, अवज्ञा, अवहेलना, तिरस्कार।
8	अंकुश	नियंत्रण, पाबंदी, रोक, दबाव।
9	अंतर	भिन्नता, असमानता, भेद, फर्क।
10	अंतरिक्ष	खगोल, नभमंडल, गगनमंडल, आकाशमंडल।
11	भाई-	तात, अनुज, अग्रज, भ्राता, भ्रातृ।
12	अंबर	आकाश, आसमान, गगन, फलक, नभ

13	अटल	अविचल, अडिग, स्थिर, अचल।
14	अनमोल	अमूल्य, बहुमूल्य, बेशकीमती।
15	अनाथ	तीम, लावारिस, बेसहारा, अनाश्रित।
16	अनुज	छोटा भाई, अनुभ्राता, कनिष्ठ।
17	अभद्र	असभ्य, अविनीत, अकुलीन, अशिष्ट।
18	आँख	लोचन, अक्षि, नैन, नयन, नेत्र, चक्षु, दृष्टि
19	आईना	दर्पण, आरसी, शीशा।
20	आक्रोश	क्रोध, रोष, कोप, खीझ।
21	आचार्य	शिक्षक, अध्यापक, प्राध्यापक, गुरु।
22	आरंभ	श्रीगणेश, शुभारंभ, प्रारंभ, शुरुआत
23	इंदु	चाँद, चंद्रमा, चंदा, शशि, मयंक, महताब।
24	ईर्ष्या	विद्वेष, जलन, कुढ़न, ढाह।
25	उपवन	बाग़, बगीचा, उद्यान, वाटिका, गुलशन।
26	उषा	सुबह, भोर, ब्रह्ममुहूर्त।
27	ऋषि	साधु, महात्मा, मुनि, योगी, तपस्वी।
28	एहसान	कृपा, अनुग्रह, उपकार।
29	ओंठ	ओष्ठ, अधर, लब, होठ।
30	ऐश्वर्य	समृद्धि, विभूति।
31	औरत	स्त्री, जोरू, महिला, नारी, वनिता, घरवाली।
32	औषधालय	चिकित्सालय, दवाखाना, अस्पताल।

33	कमल	अरविन्द, पुष्कर, पंकज, नीरज, सरोज, जलज, जलजात, पुण्डरीक।
34	कपड़ा	वस्त्र, चीर, वसन, पट, अम्बर, परिधान।
35	किसान	कृषक, भूमिपुत्र, हलधर, खेतिहर, अन्नदाता।
36	कान	कर्ण, श्रुति, श्रुतिपटल, श्रवण।
37	कमजोर	निर्बल, बलहीन, दुर्बल, मरियल, शक्तिहीन।
38	कुसुम	पुष्प, फूल, प्रसून, पुहुप।
39	खग	पक्षी, द्विज, विहग, नभचर, अण्डज, पखेरू।
40	गृह	घर, सदन, भवन, धाम, निकेतन, निवास, आवास, मंदिर।
41	गिरि	पहाड़, मेरु, शैल, महीधर, धराधर, भूधर।
42	गोद	अंक, क्रोड़, गोदी।
43	चावल	तंदुल, धान, भात।
44	चूहा	मूसा, मूषक, मुसटा, उंदुर।
45	जल	मेघपुष्प, अमृत, वारि, नीर, पानी, जीवन, पेय
46	जगत	-संसार, विश्व, जग, भव, दुनिया, लोक, भुवन।
47	जमीन	धरती, भू, भूमि, पृथ्वी, धरा, वसुंधरा।
48	जलाशय	तालाब, ताल, पोखर, सरोवर।
49	तरुवर	वृक्ष, पेड़, द्रुम, तरु, पादप।
50	मछली	मीन, मत्स्य, झख, जलजीवन, शफरी

लेखन विभाग : पत्र लेखन : औपचारिक पत्र

विद्यालय छोडने का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखे।

13, गीता भवन,

शक्ति कुंज, सेक्टर-12

गाँधीनगर

दिनांक :22/5/2021

सेवा मे

प्रधानाचार्य

पुना इन्टरनेशनलस्कुल

गाँधीनगर

माननीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय मे कक्षा चौथी का छात्र हूँ। मेरे पिताजी का तबादला गाँधीनगर से दिल्ली हो गया है।हमारा पूरा परिवार दिल्ली जा रहा है।इस कारण मुझे यह विद्यालय छोडना पडेगा।अतः आपसे निवेदन है कि मुझे विद्यालय छोडने का प्रमाण-पत्र प्रदान करने की कृपा करे।

आशा है, आप मेरी प्रार्थना पर शीघ्र ध्यान देगे।मै आपकी बहुत आभारी रहूँगी।

धन्यवाद
आपका छात्र
अपना नाम

गतिविधियाँ-साँप का चित्र बनाए।

पाठः१३
मिर्च का मजा
लेखकः रामधारी सिंह दिनकर

पाठ का सारः यह कहानी एक काबुलीवाले की है|जो काबुल से भारत आया था| उसे यहाँ की भाषा बहुत कम समझ में आती थी|एक बार उसने एक कुंजडी को लाला मिर्च बेचते देखा| लाला-लाल मिर्च देख कर काबुली वाले के मूंह में पानी आ गया|वह सोचने लगा क्या बड़े-बड़े लाल-लाल दाने है ,खाने से शारीर को बहुत बल मिलेगा |ये कोई मौसम का मीठा फल है| काबुलीवाले ने एक चवन्नी देकर कुंजड़ी से से जैसे-तैसे समझाकर बोला यह लाल-पतली चीज अगर खाने की है ,तो हमें भी चार आने की दे दो| कुंजड़ी ने मिर्च देते हुए बोला यह तो सब खाते है | मिर्च भरी झोली लेकर काबुलीवाला बहुत मगन हुआ किसौदा बहुत सस्ता हुआ है,और नदी किनारे जाकर लाल-लाल मिर्च चबाने लगा | मीर्च मुंह में डालते ही उसका मुंह जलने लगा ,आखों से पानी बहने लगा,मुंह सिसियाने लगा और मुंह से सी,सी,सी की आवाज निकलने लगी | वह सोचने लगा कि काबुल का मर्द हूँ मै इस मिर्च से क्यों मुंह मोड़ ले ?पूरा चार आना खर्च किया है तो वसूल करे बिना क्यों छोडे? तभी वहां एक सिपाही आया ,काबुलीवाले को मिर्च खाते देख बोला ,अरे बेवकूफ क्यों मिर्च खाकर अपने को परेशान कर रहा है ? काबुलीवाला बोला तू जा अपने रस्ते मै कोई मामूली इंसान नही हूँ मै मर्द हूँ ,ये मै अपने पैसों की खा रहा हूँ |

कठिन शब्द लिखिए

- काबुलीवाला
- कुंजड़ी
- मूल्य
- झोली
- सौदा
- बेवकूफ़
- पतली छिपी
- चवन्नी
- आना
- फ़कत

शब्दार्थ लिखिए

- काबुलीवाला –काबुल का रहने वाला
- कुंजड़ी-साग-भाजी बेचनेवाली
- मूल्य-दाम
- झोली-पल्लू की थैली
- बेवकूफ़-मूर्ख
- सौदा-लेना-देना
- चवन्नी-25-पैसे
- पतली छीपी-पतली-मिर्च
- तबाही-बर्बादी
- सेर-माप का पैमाना
- सिसियाना-मुंह से सी,सी,सी की आवाज करना

वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१ःलोग किसकी कहानी कहते है?

उत्तरः**(क) काबुलीवाले की** (ख)जादुगर की

(ग)पुलिसवाले की (घ) गाववाले की

२ःकाबुलीवाला ने लाल मिर्च को क्या समझ लिया?

उत्तरः (क) मिठाई **(ख)मीठा फल**

(ग)खट्टा फल (घ) सब्जी

३ःकाबुलीवाले ने लाल मिर्च किससे खरीदी?

उत्तरः (क) सब्जीवाले से **(ख)कुँजडिन से**

(ग)दुकानदार से (घ) सिपाही से

४ःकाबुलीवाले ने मिर्च को चबाने के लिए कौन से जगश चुनी?

उत्तरः **(क) नदी तट** (ख)घर

(ग)बाजार (घ) सडक

५ःलाल मिर्च का मूल्य क्या था?

उत्तरः (क) आठ आने सेर (ख)एक रुपया सेर

(ग)चार आने सेर (घ) दो आने सेर

निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।

प्र-१-कौन-सी चीज देख कर काबुलीवाले के मुंह में पानी आ गया?

उ-लाल-लाल मिर्च देख कर काबुलीवाले के मुंह में पानी आ गया |

प्र=२-काबुलीवाले ने लाल मिर्च खरीदने की इच्छा किस प्रकार जताई ?

उ-काबुलीवाले ने लाल-लाल मिर्च देखा| इस से बल मिलेगा यह सोच कर उसे खरीदने की इच्छा जताई |

प्र-३-कुंजड़ी ने लाल मिर्च के बारे में काबुलीवाले से क्या कहा?

उ-कुंजड़ी ने काबुलीवाले से लाल मिर्च के बारे में कहा कि ये तो सभी खाते है|

प्र-४-काबुलीवाला क्यों मगन था?

उ-सस्ता सौदा पाकर काबुलीवाला मगन हुआ|

निन्मलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

प्र-१-मिर्च खाते ही काबुलीवाले का क्या हाल हुआ?

उ-जैसे ही काबुलीवाले ने मिर्च मुंह में रखी ,उसका मुंह जलने लगा,आँखों में पानी भर आया ,मुंह से सिसियाने की सी,सी,सी की आवाज निकलने लगी|

प्र२- सीपाही ने काबुलीवाले को बेवकूफ़ क्यों कहा?

उ-लाल-लाल तीखी मिर्च चबाते देख कर सिपाही ने काबुलीवाले को बेवकूफ़ कहा|

प्र-३ सिपाही की बात सुनकर काबुलीवाले ने क्या उत्तर दिया ?

उ-काबुलीवाले ने उत्तर दिया कि तू जा अपने रास्ते ,मै अपने पैसों की खरीद कर मिर्च खा रहा हूँ|

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१-काबुलीवाला लाल मिर्च का नाम नही जनता था| (सही)

२-लाल मिर्च खा कर काबुलीवाले की आँखें बंद हो गई| (गलत)

३-मुंह जलने पर भी काबुलीवाला लगातार मिर्च खाता रहा | (सही)

४-सिपाही ने काबुलीवाले को और मिर्च खाने के लिए कहा| (गलत)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-काबुलीवाले ने समझा कि मिर्च के अच्छे दाने खाने से बल मिलेगा|

२-कुंजड़ी ने लाल-लाल मिर्च काबुलीवाले की झोली में डाल दी|

३-मिर्च खरीद कर काबुलीवाले ने सोचा कि यह बहुत ही सस्ता सौदा है|

४-काबुलीवाले की आँखों में पानी भर आया|

५-काबुलीवाले ने सिपाही को अपनी राह जाने को कहा|

६-चवन्नी में 25 पैसे होते है| तो एक रुपय में 100 पैसे होते है|

व्याकरण विभाग : वाक्य शुद्धि

किसी भी वाक्य को लिखने में प्रयुक्त वर्णों के क्रम को वर्तनी या अक्षरी कहते हैं।

वाक्य, भाषा की महत्वपूर्ण इकाई होता है लिखने या बोलने के समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारे द्वारा जो कुछ लिखा या कहा जाए, वह बिल्कुल स्पष्ट सार्थक और व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध हो।
वाक्यों के विभिन्न अंग यथास्थान होना चाहिए साथ ही विराम-चिह्नों का भी उचित जगहों पर प्रयोग होना चाहिए।

वाक्य-रचना में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय से संबंधित या अन्य प्रकार की अशुद्धियाँ हो सकती है इन्हीं को आधार बनाकर परीक्षा में प्रश्न पूछे जाते हैं।
अंग्रेजी भाषा में वाक्य शुद्धि को 'Sentence correction' तथा उर्दू भाषा में वर्तनी को 'हिज्जे' कहाँ जाता हैं

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
हिन्दी के प्रचार में आज-भी बड़े-बड़े संकट हैं।	हिन्दी के प्रचार में आज-भी बड़े-बड़े संकट हैं।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
सीता ने गीत की दो-चार लड़ियाँ गायीं।	सीता ने गीत की दो-चार कड़ियाँ गायीं।
पतिव्रता नारी को छूने का उत्साह कौन करेगा।	पतिव्रता नारी को छूने का साहस कौन करेगा।
कृषि हमारी व्यवस्था की रीढ़ है।	कृषि हमारी व्यवस्था का आधार है।
प्रेम करना तलवार की नोक पर चलना है।	प्रेम करना तलवार की धार पर चलना है।
मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आऊँगा।	मैं रविवार को तुम्हारे घर आऊँगा।
कुत्ता रेंकता है।	कुत्ता भौंकता है।
मुझे सफल होने की निराशा है।	मुझे सफल होने की आशा नहीं है।
गले में ग़ुलामी की बेड़ियाँ पड़ गई।	पैरों में ग़ुलामी की बेड़ियाँ पड़ गई।
नगर की सारी जनसंख्या भूखी है।	नगर की सारी जनता भूखी है।
वह मेरे शब्दों पर ध्यान नहीं देता।	वह मेरी बात पर ध्यान नहीं देता।
जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली कथा चरितार्थ होती है।	जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली कहावत चरितार्थ होती है।
मुझे सफल होने की निराशा है।	मुझे सफल होने की आशा नहीं है।
इस समस्या की औषध उसके पास है।	इस समस्या का समाधान उसके पास है।
गोलियों की बाढ़।	गोलियों की बौछार।
परीक्षा की प्रणाली बदलना चाहिए।	परीक्षा की प्रणाली बदलनी चाहिए।
हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर दिया गया।	हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर दी गयी।
मुझे मजा आती है।	मुझे मजा आता है।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
उसने संतोष का साँस ली।	उसने संतोष की साँस ली।
सविता ने जोर से हँस दिया।	सविता जोर से हँस दी।
मुझे बहुत आनंद आती है।	मुझे बहुत आनंद आता है।
वह धीमी स्वर में बोला।	वह धीमे स्वर में बोला।
राम और सीता वन को गई।	राम और सीता वन को गए।
देश की सम्मान की रक्षा करो।	देश के सम्मान की रक्षा करो।
लड़की ने जोर से हँस दी।	लड़की ने जोर से हँस दिया।
दंगे में बालक, युवा, नर-नारी सब पकड़ी गयीं	दंगे में बालक, युवा, नर-नारी सब पकड़े गये
सबों ने यह राय दी।	सब ने यह राय दी।
पेड़ों पर तोता बैठा है।	पेड़ पर तोता बैठा है।
उसने अनेकों ग्रंथ लिखे।	उसने अनेक ग्रंथ लिखे।
उसने अनेक प्रकार की विद्या सीखीं।	उसने अनेक प्रकार की विद्याएँ सीखीं।
महाभारत अठारह दिनों तक चलता रहा।	महाभारत अठारह दिन तक चलता रहा।
पाकिस्तान ने गोले और तोपों से आक्रमण किया।	पाकिस्तान ने गोलों और तोपों से आक्रमण किया।
मेरे आँसू से रूमाल भींग गया।	मेरे आँसुओं से रूमाल भींग गया।
तेरी बात सुनते-सुनते कान पक गए।	तेरी बातें सुनते-सुनते कान पक गए।
ऐसी एकाध बातें सुनकर दुःख होता है।	ऐसी एकाध बात सुनकर दुःख होता है।
हमारे सामानों का ख्याल रखियेगा।	हमारे सामान का ख्याल रखियेगा।

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
वे विविध विषय से परिचित हैं।	वे विविध विषयों से परिचित हैं।
इस विषय पर एक भी अच्छी पुस्तकें नहीं है।	इस विषय पर एक भी अच्छी पुस्तक नहीं है।
हमने यह काम करना है।	हमें यह काम करना है।
मैंने राम को पूछा।	मैंने राम से पूछा।
सब से नमस्ते।	सब को नमस्ते।
नौकर का कमीज।	नौकर की कमीज।
मैंने नहीं जाना।	मुझे नहीं जाना।
मेरे नये पते से चिट्ठियाँ भेजना।	मेरे नये पते पर चिट्ठियाँ भेजना।
मेरे से मत पूछो।	मुझ से मत पूछो।
कुत्ता रेंकता है।	कुत्ता भौंकता है।
मेरे को यह बात पसंद नहीं।	मुझे यह बात पसंद नहीं।
तेरे को अब जाना चाहिए।	तुझे अब जाना चाहिए।
मुझे सफल होने की निराशा है।	मुझे सफल होने की आशा नहीं है।
मैंने नहीं जाना।	मुझे नहीं जाना।
आप आपका काम करो।	आप अपना काम करो।
मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आऊँगा।	मैं रविवार को तुम्हारे घर आऊँगा।
आप जाकर ले लो।	तुम जाकर ले लो।
वह सब भले लोग हैं।	वे सब भले लोग हैं।
आँख में कौन पड़ गया	आँख में क्या पड़ गया

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
गले में ग़ुलामी की बेड़ियाँ पड़ गई।	पैरों में ग़ुलामी की बेड़ियाँ पड़ गई।
मैं उन्होंके पिताजी से जाकर मिला।	मैं उनके पिताजी से जाकर मिला।
वह कुरता डालकर गया है।	वह कुरता पहनकर गया है।
क्या यह संभव हो सकता है	क्या यह संभव है
पगड़ी ओढ़कर आओ।	पगड़ी बाँधकर आओ।
तुम क्या काम करता है	तुम क्या काम करते हो ?
वह पढ़ना माँगता है।	वह पढ़ना चाहता है।
वह लड़का मोटर हाँक सकता है।	वह लड़का मोटर चला सकता है।
छोटी उम्र शिक्षा लेने के लिए है।	छोटी उम्र शिक्षा पाने के लिए है।

लेखन विभाग :अनुच्छेद-'क्रिसमस'

१-क्रिसमस ईसैयुं का त्यौहार है|

२-यह त्यौहार महात्मा ईसामसी के जन्म दिन के रूप में मनाया जता है|

३-इस त्यौहार को पूरा संसार मनाता है|

४-हर साल 25 दिसम्बर को यह त्यौहार मनाया जता है|

५-इस दिन लोग नए कपड़े पहन कर गिरजाघर जाते हैं|

६-लोग अपने घर को साफ़ करते हैं और घर में क्रिसमस का पेड़ लगते हैं ,और उस में बच्चों के लिए उपहारलगा देते है|

७-सभी लोग गिरजाघर में एक साथ प्रार्थना करते हैं|

८-प्रार्थना के बाद सभी लोग एक-दूसरे को 'मेरी क्रिसमस' बोलते हैं|

९-लोग इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाते है और बांटते हैं|

१०-विशेष रूप से क्रिसमस पर केक ही सबसे अच्छा पकवान होता है|

११-इस दिन पूरी दुनिया में छुट्टी रहती है|

१२-यह त्यौहार आपस में खुशियाँ बाँटने और स्नेहभाव रखने का संदेश देता है|

गतिविधि-लाल मिर्च का चित्र बनाए।

पाठः१४
सबसे अच्छा पेड़
लेखकः जे भारतदास

पाठ का सारः तीन भाई थे|एक दिन तीनों सुबह-सुबह घर की तलाश में निकल पड़े |गरमी के दिन थे तो बहुत गरमी में वे तीनों सडक पर चलते रहे| थोड़ी देर में एक आम का एक बड़ा पेड़ आया तीनों उस पेड़ की छाँव में आराम करने रुक गये और पेड़ के पके-पके आम का रस चूसने लगे |बड़े भाई को वह जगह बहुत पसंद आईउसने कहा मै तो यही रहूंगा आम कच्चे होंगे तो अचार डाला जाएगा,पके आम को खा सकते है और आम पापड़ भी बना सकते है इसलिए वह वही रुक गया| बाकी के दोनों भाई आगे बढ़ गए|थोड़ी दूर चलने पर एक तेज घने बदल का टुकड़ा आया और बसात करने लगा | दोनों भाई ने केले के पत्ते तोड़े और अपने ऊपर ओढ़ लिए जिस से वह भीगने से बाख गए |बारिश रुकी तो दोनों को भूख भी लगी थी दोनों ने दोनों में केले के पत्ते पर अपना खाना परोस कर खाया|बाद में एक-एक केला भी खाया|दूसरे भाई को वह जगह बहुत पसंद आई ,वह वही रुक गया और तीसरा भाई आगे चल दिया चलते चलते वह नारियल के पेड़ के पास पहुंचा उसने नारियल का मीठा-मीठा पानी पीया और वही बैठ कर सोचने लगा कि पेड़ तो सभी काम के होते है आम का,केले का नारियल का |इनके फल खाने को मिलते हैं|

पेड़ तो नीम का भी बहुत काम का होता है नीम दवा बनाने के काम आता है,नीम की टहनियां दातुन के काम आती है | जिससे दांत में कीड़ा नही लगता|कोई बीमार हो तो नीम की टहनियों की दरवाजे पर लटकाया जाता है,जिस से रोग दूर भाग जाए|नीम का तेल,साबून बना सकते है| पेड़ रबर का भी काम का है पेड़ पर चीर मार कर खूब सारा दुधिया रस निकाल कर ,उसे पका कर रबर बना सकते है, रबर से टायर,गुब्बारे,और तरह-तरह की चीजे बना कर बेच सकते है| नारियल का पेड़ बड़ा काम का है नारियल कहने को मिलता है उसके पानी से प्यास बुझा सकते है ,नारियल सुखा कर गरी ,खोपरा बन जाता है जो

मेवों में काम आता है| खोपरे को पेरकर गोले का तेल निकाला जाता है| नारियल का तेल खाना पकाने ,शरीरी की मालिश करने औए दवा और साबुन बनाने के काम आता है | नारियक का डोरी रस्सी बनाने के काम आती ही उस से दरी और चटाई बना सकते है |मेरे लिए तो यही रहना सही है तीसरे भाई ने वही नारियल के पेड़ के पास घर बना लिया |

कठिन शब्द लिखिए

- सडक
- चूसना
- अचार
- झोंपड़ी
- बढ़िया
- दातुन
- टहनियां
- दूधिया
- डोरियाँ
- रस्सियाँ
- चटाइयां
- खोपरा

शब्दार्थ लिखिए

- चूसना : धीरे-धीरे पीना
- बढ़िया : बहुत अच्छा
- दातुन : नीम या बाबूल की पतली टहनी
- दुधिया : दूध जैसे रंग का
- डोरियाँ : पतली-पतली सूट या रेशम के धागे
- रस्सियाँ : मोटी जूट या सूत
- चटाइयां : जुट या सूती धागों से बनी धरी
- खोपरा : सूखा नारियल

वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१:आम का पेड कैसा था?

उत्तरः(क)बडा (ख)छोटा

(ग)सूखा हुआ (घ)बिना फल वाला

२:बडे भाई ने किस पेड के नीचे झोपडी बनाई?:

उत्तरः(क) केले के (ख)नारियल के

(ग) आम के (घ)नीबू के

३:केले के पेड किस भाई को पंसद आ्या?

उत्तरः(क) पहले भाई को (ख)दूसरे भाई को

(ग) तीसरे भाई को (घ)किसी को नही

४:तीसरे भाई ने किस पेड केन ीचे अपना घर बनाया?

उत्तरः(क) नारियल के (ख)आम के

(ग) केले के (घ)संतरे के

निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।

प्र-१-तीनों भाई कौन से मौसम में घर की तलाश में निकले?

उ-तीनों भाई गरमी के मौसम में घर की तलाश में निकले थे|

प्र-२-तीनों भाई कहाँ आराम करने लगे?

उ-तीनों भी आम के बड़े से पेड़ की छाँव में आराम करने लगे|

प्र-३-आम का पेड़ किस भाई को पसंद आया?

उ-आम का पेड़ सबसे बड़े भाई को पसंद आया |

प्र-४-दूसरे और तीसरे भाई के केले के पेड़ों के पास से गुजरने पर आसमान से होकर कौन गुजरा?

उ-दूसरा और तीसरा भाई जब केले के पेड़ों के पास से गुजर रहे थे ,तो अचानक से एक काला बादल आसमानसे होकर गुजरा|

प्र-५-केले के पेड़ ने दोनों भाइयों को किस से बचाया?

उ-केले के पेड़ ने दोनों भाइयों को भीगने से बचाया|

निन्मलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

प्र-१-केले के पेड़ हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी हैं?

उ-केले के पत्ते को खाने के बर्तन की तरह उपयोग कर सकते है,केले की शब्जी बना कर खा सकते हैं,केले जब पक जाता है तो उसे खा कर भूख मिटा सकते है, केले को दूध में मिला कर पी सकते है|

प्र-२-नीम की टहनियां किस-किस काम आती हैं?

उ-नीम की टहनियां दातुन के काम आती हैं,कोई जब बीमार हो तो घर के दरवाजे पर नीम लटका दी जाती हैं|

प्र-३-रबर कैसे बनता है?

उ-रबर के पेड़ पर चाकू से एक चीरा लगा कर उसके नीचे एक कटोरा लगा दिया जाता है| चीरा जहां लगा है,वहां से दूधिया जैसा रस निकलता है | उस रस को जमा करके एक बर्तन में पकाने से रबर बन जाताहै|

प्र-४-रबर का पेड़ किस किस काम आता है?

उ-रबर के पेड़ से रबर बना कर ,उसे बेच सकते है| रबर से गुब्बारे बनते है,रबर का रस पका कर टायर बनाया जाता है|

निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।

प्र-१-नारियल के पेड़ से हमें क्या-क्या लाभ हैं?

उ-नारियल के पेड़ से अनेक लाभ हैं| नारियल की जटाओं से मोटी डोरियाँ बनाई जाती हैं| उस डोरियों से चटाइयां बनाई जाती हैं|नारियल का पानी पिने से प्यास बुझती हैं ,पानी मीठा और स्वादिष्ट होता है| नारियलकी मलाई खाने में अच्छी लगती है|नारियल को सुखाने पर वह खोपरा बन जाता है,जो बहुत से पकवान औरमिठाइयों में डलता हैं| नारियल का तेल खाना पकाने के काम आता है|इसी तेल से साबुन और क्रीम भी बनताहै|

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

- गर्म-गर्म धूप में तीनों भाई सड़क पर चलते चले गये| (सही)

- कच्चे आम का अचार बनाया जाता है| (सही)
- बारिश आने पर दोनों भाई पीपल के पेड़ ककी ओत में छिप गये| (गलत)
- नीम की दातुन अच्छी नही होती| (गलत)
- रबर के पेड़ की छाल पर चीरा लगाने पर दूधिया रस निकलता है| (सही)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

- आम के पेड़ के नीचे ठंडी छाँव थी ।
- तीनों भाई आम का मीठा रस चूसने लगे|
- नारियल का पेड़ बहुत लम्बा और पतला होता हैं|
- रोग दूर भगाने के लिए नीम की टहनियां दरवाजे पर टांगी जाई हैं|
- खोपरे को पेरकर गोले का तेल निकाला जाता है|

व्याकरण विभाग : क्रिया-विशेषण

क्रिया-विशेषण : क्रिया की विशेषता बताने शब्द क्रिया विशेषण कहलाते है।

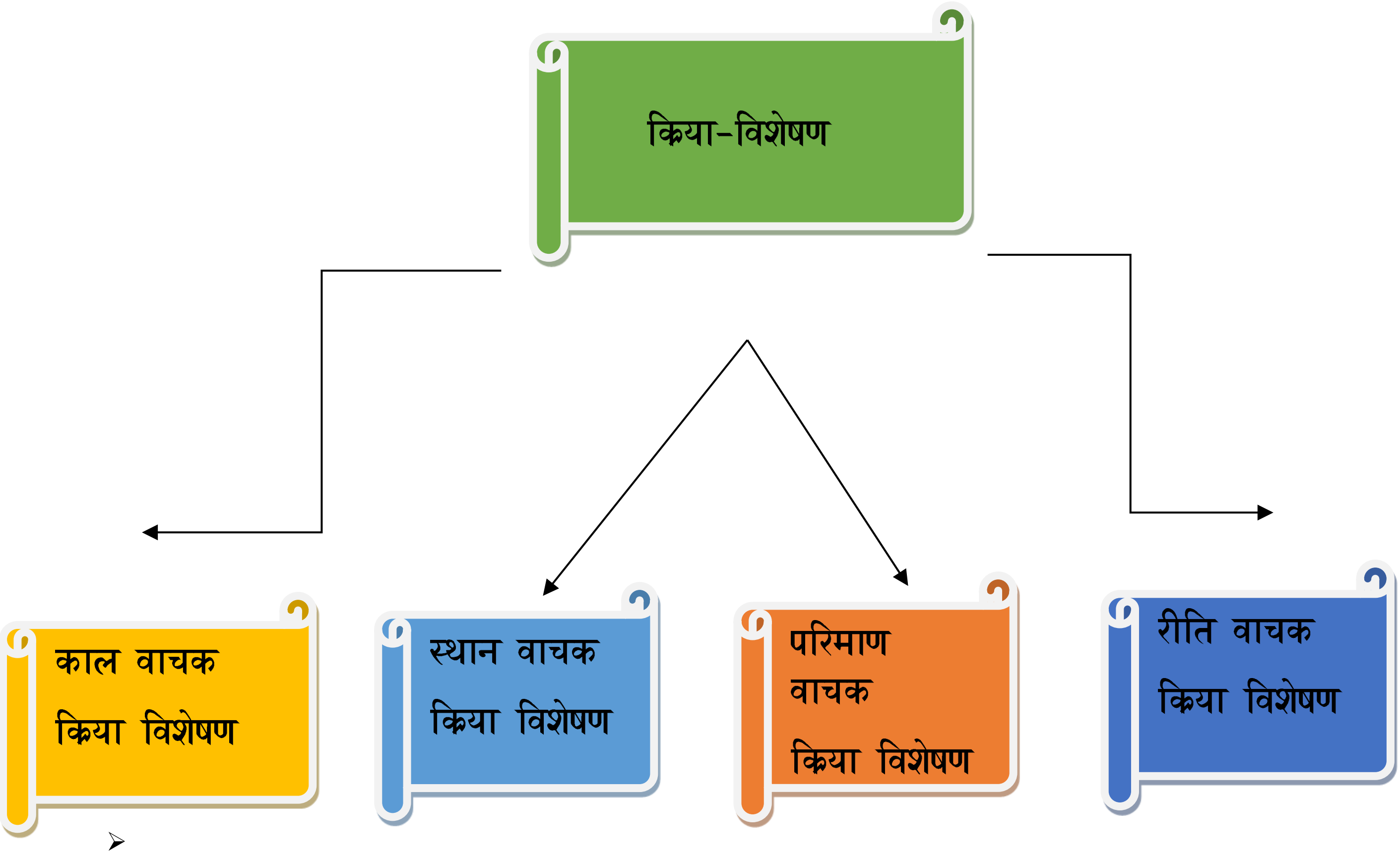

-
- **काल वाचक क्रिया विशेषण :** जो शब्द क्रिया के होने के काल समय का बोध कराता है,वे काल वाचक क्रिया विशेषण कहलाते है।

उदाहरण : प्रभा प्रतिदिन पढती है।

कुणाल बाजार से अभी लौटा है।

प्रियका सदा मुसकराती रहती है।

क्या तुम कल लौटोगे।

- **स्थान वाचक क्रिया विशेषण :** जो शब्द क्रिया के होने के स्थान का बोध कराता है,वे स्थान वाचक क्रिया विशेषण कहलाते है।

उदाहरण : बच्चा सीढियो से ऊपर चढ गया।

वहाँ मत बैठिए।

मनदीप इस ओर चला आर हा है।

रीना बाहर खेल रही है।

- **परिमाण वाचक क्रिया विशेषण :** जो शब्द किंया की मात्रा परिमाण बताते है, वे परिमाण वाचक किंया विशेषण कहलाते है।

उदाहरण : संदीप ने खुब पानी पिया।

इस बार गरमी अधिक पड़ रही है।

मैने आज कम भोजन किया।

टीना बहुत खाँस रही है।

- **रीतिवाचक क्रिया विशेषण :** जो शब्द क्रिया के होने के रीति का बोध कराते है ,वे रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहलाते है।

उदाहरण : फूलदान जोर से गिरा।

दादी धीरे-धीरे कमरे की ओर बढी।

चुटकुला सुनकर सभी हसँते हसँते लोटपोट हो गए।

नकुल झूमता हुआ गाने लगा।

लेखन विभाग अनुच्छेद- ‘पेड़ हमारे मित्र’

१-मनुष्य के जीवन में पेड़ों का बहुत महत्व है| पेड़ हमारे सबसे अच्छे मित्र हैं|

२-पेड़ से हमें शुद्ध ,ताजी हवा मिलती है| जो हमें जीवित रखती है |

३-पेड़ों से हमें फल,सब्जी, लकड़ी,दवाई ,कपड़ा आदि मिलता है|

४-पेड़ की लकड़ी से हम घर बनाते हैं और घर का फर्नीचर बनाते हैं|

५-पेड़ होने बारिश भी ज्यादा होती है|

६-पेड़ों की कटाई करने से जमीन सूख जाती है| जिस से जमीन गरम हो रही है |

७-ज्यादा गरमी से पहाड़ों और ध्रुवों की बरफ पिघल रही है |जिस से बाढ़ आ जाती है|

८-हमें ताजी हवा चाहिए ,तो ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना होगा |

९-पेड़ों की कटाई पर रोक लगानी होगी|

१०-सभी स्कूलो में पेड़ लगाने का कार्यक्रम होना चाहिए|

११-यदि जीवन लम्बा और अच्छा चाहिए ,'तो पेड़ लगाओ ,जीवन बचाओ' का नारा लगाना होगा |

*चित्र –लेखन-

१-यह चित्र होली के त्यौहार का है |

२-यहाँ एक ढोलवाला ढोल बजा राहा है |

३-एक बड़ी मेज़(टेबल) पर कुछ रंग ,पिचकारियाँ रखी हुई हैं |

४-मेज़ के किनारे नीचे एक पानीवाले रंग की बाल्टी रखी है|

५-चित्र में तीन बच्चे भी हैं ,जो एक दूसरे के ऊपर रंग दाल कर खुश हो रहे हैं|

६-यहाँ दो लड़कों के पास पिचकारी है और एक लडकी है, उसके पास सूखा रंग है|

७-सभी बहुत खुश नजर आ रहे हैं|

गतिविधि-आम के पेड का चित्र बनाए।